महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा,
गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-2 अंक-14 सितम्बर, 2024

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना
एवं
राष्ट्रीय कैडेट कोर

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
NCC Email-ncc@mgug.ac.in
University Website-http://www.mgug.ac.in/

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई

कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव

कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. आयुष कुमार पाठक
2	UP-80/002/24/101	अष्टावक्र इकाई	श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	श्री अभिषेक कुमार सिंह
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कु. अभिनव सिंह राठोर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसुइया इकाई	सुश्री सुमन यादव
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रेयी इकाई	गरिमा पाण्डेय

राष्ट्रीय कैडेट कोर

101 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पत्रिका के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

एक दिवसीय विशेष शिविर : प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना : गार्गी इकाई

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम सोनबरसा में ग्रामीणों को जागरूक करती गार्गी इकाई के स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 01 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के नर्सिंग संकाय में संचालित गार्गी इकाई ने ग्राम सभा सोनबरसा में प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जिसमें स्वयसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को पर्यावरण स्वच्छता, फाइलेरिया, व्यक्तिगत स्वच्छता, मलेरिया, शराब पीने का दुष्प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

इसके साथ स्वयंसेवकों को गांव की भौतिकीय परिदृश्य का आकलन, गांव के समस्या की पहचान कर उसके निराकरण में सहयोग प्रदान करने के साथ ही समाज के साथ समन्वय स्थापित करने की कला को सिखाया गया।

शिविर के उद्घाटन मुख्य अतिथि ग्राम सभा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री मिठाईलाल जी के द्वारा किया गया, उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के इस स्वयसेवकों के सहयोग से गाँव का शत–प्रतिशत विकास करने में हमें सहायता प्राप्त हो रही है। प्रशिक्षित स्वयंसेवको को अपने विषय की जानकारी है इससे प्रतीत हो रहा है विश्वविद्यालय एक सकारात्मक प्रगति की तरफ अग्रसर है उन्होंने स्वयंसेवकों को गांव के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी द्वारा शिविर का संयोजन किया गया, जिसमें सवर्प्रथम स्वयंसेवको को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य परिकल्पना से अवगत करते हुए बताया कि एनएसएस का आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू', लोकतांत्रिक जीवन के सार को दर्शाता है और निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को पुष्ट करता है। स्वयंसेवक का मतलब यह नहीं की केवल अपने लिए ही न जिए समाज के लिए जिए इस शिविर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए समस्त इकाई के स्वयंसेवक को 20 की संख्या में पांच टोली में बाटकर एक जागरूकता कार्यक्रम का विषय एक टोली को दिया गया था प्रत्येक टोली का एक नेता चुना गया जो क्रमशः गांव के लोगों में शिविर के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को साइबर सुरक्षा पर जागरूक करते हुए लोगों साइबर अपराध से बचने व स्वच्छता के प्रति जागरूक कर उससे बचने का उपाय बताया साथ ही गांव की अनेकों समस्याओं को जाना और उसके निवारण हेतु प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

एक दिवसीय विशेष शिविर : प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना : माता शबरी इकाई

ग्राम सभा सोनबरसा में स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों को जागरूक करते माता शबरी ईकाई के स्वयंसेवक

दिनांक : 01 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय की माताशबरी इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम सभा सोनबरसा में किया गया। यह शिविर समाज के विभिन्न पहलुओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोर दिया गया।

शिविर का आयोजन 1 सितम्बर 2024 को सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और समर्पण के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान कुल आठ मुख्य जागरूकता बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

'साइबर सुरक्षा जागरूकता' आधुनिक युग में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनज़र, शिविर में साइबर सुरक्षा के महत्व को समझाया गया। ग्रामवासियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने, सुरक्षित पासवर्ड बनाने और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने के तरीके बताए गए। स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को जागरूक किया कि वे अपनी व्यक्तिगत जानकारी को कैसे सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से कैसे बचें।

'मलेरिया, फाइलेरिया, मंकीपॉक्स, डेंगू और टाइफाइड उन्मूलन जागरूकतारू' शिविर में मलेरिया, फाइलेरिया, मंकीपॉक्स, डेंगू और टाइफाइड जैसी संक्रामक बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने इन बीमारियों के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों पर चर्चा की। ग्रामवासियों को मच्छरों से बचाव के तरीकों, साफ–सफाई के महत्व और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया।

'स्वच्छता जागरूकता और समाज समन्वय' स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, शिविर में सफाई अभियान भी चलाया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने गांव की सड़कों और गलियों को साफ किया। साथ ही, उन्होंने ग्रामवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, और कचरा प्रबंधन के तरीकों पर भी जागरूक किया। इसके अलावा, समाज के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए, शिविर में ग्रामीणों के साथ संवाद किया गया, जिसमें उनके दैनिक जीवन की चुनौतियों को समझा गया और उन्हें समाधान के लिए प्रेरित किया गया।

इस विशेष शिविर में एनएसएस के कई स्वयंसेवकों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें मनीष यादव, निखिल प्रकाश पांडेय, आशीष दुबे, विवेक मिश्रा, दीनदयाल गुप्ता और आदित्य राज साहनी प्रमुख थे। इन स्वयंसेवकों ने अपनी ऊर्जा और उत्साह से शिविर को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने ग्रामवासियों को विभिन्न जागरूकता विषयों पर जानकारी दी और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस शिविर के आयोजन में डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों, सिद्धांतों और उद्देश्यों से परिचित कराया और उन्हें समाज सेवा के महत्व को समझाया।

डॉ. सिंह ने इस शिविर को एक आदर्श मंच के रूप में देखा, जहां युवा स्वयंसेवक ग्रामीण समाज के साथ जुड़कर उन्हें जागरूक कर सकते हैं।शिविर के समापन के बाद, ग्राम सभा सोनबरसा के निवासियों ने इस जागरूकता अभियान की सराहना की।

उन्होंने माना कि इस तरह के कार्यक्रमों से उन्हें स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर नई जानकारी मिलती है और वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। शिविर ने ग्रामवासियों के बीच एक जागरूक और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

शिविर के सफल आयोजन ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की माताशबरी इकाई को एक बार फिर से समाज सेवा के प्रति समर्पित दिखाया। इस शिविर ने ग्रामीणों को न केवल बीमारियों और साइबर सुरक्षा के खतरों से सचेत किया, बल्कि उन्हें एक बेहतर और सुरक्षित जीवन जीने के लिए प्रेरित भी किया।

एक दिवसीय विशेष शिविर : प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना : माता अनुसुइया इकाई

ग्राम बालापार में स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक करते माता अनुसुइया ईकाई के स्वयंसेवक

दिनांक : 01 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के नर्सिंग संकाय की माता अनुसुइया द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बालापार में किया गया।

यह शिविर समाज के विभिन्न पहलुओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोर दिया गया।

शिविर का आयोजन 1 सितम्बर 2024 को सुबह 8 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और समर्पण के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 6 मुख्य जागरूकता बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

'साइबर सुरक्षा जागरूकता' आधुनिक युग में बढ़ते साइबर अपराधों के मद्देनज़र, शिविर में साइबर सुरक्षा के महत्व को समझाया गया। ग्रामवासियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने, सुरक्षित पासवर्ड बनाने और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने के तरीके बताए गए। स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को जागरूक किया कि वे अपनी व्यक्तिगत जानकारी को कैसे सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों से कैसे बचें।

फाइलेरिया जागरूकता' शिविर में फाइलेरिया जैसी संक्रामक बीमारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों ने इन बीमारियों के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों पर चर्चा की। ग्रामवासियों को मच्छरों से बचाव के तरीकों, साफ–सफाई के महत्व और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया।

''मासिक धर्म स्वच्छता' स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविर में महिलाओ को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बताया गया।

इस शिविर के आयोजन मे एसुमन यादव कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों, सिद्धांतों और उद्देश्यों से परिचित कराया और उन्हें समाज सेवा के महत्व को समझाया। सुमन यादव ने इस शिविर को एक आदर्श मंच के रूप में देखा, जहां युवा स्वयंसेवक ग्रामीण समाज के साथ जुड़कर उन्हें जागरूक कर सकते हैं।

शिविर के समापन के बाद ग्राम सभा सोनबरसा के निवासियों ने इस जागरूकता अभियान की सराहना की।

उन्होंने माना कि इस तरह के कार्यक्रमों से उन्हें स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर नई जानकारी मिलती है और वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। शिविर ने ग्रामवासियों के बीच एक जागरूक और स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

शिविर के सफल आयोजन ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की माता अनुसुइया इकाई को एक बार फिर से समाज सेवा के प्रति समर्पित दिखाया। इस शिविर ने ग्रामीणों को न केवल बीमारियों और साइबर सुरक्षा के खतरों से सचेत किया, बल्कि उन्हें एक बेहतर और सुरक्षित जीवन जीने के लिए प्रेरित भी किया।

एक दिवसीय विशेष शिविर : प्रथम

राष्ट्रीय सेवा योजना : मैत्रेयी इकाई

ग्रामीणों को जागरूक करते माता मैत्रेयी इकाई के स्वयंसेवक

दिनांक : 01 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के नर्सिंग संकाय में संचालित मैत्रेयी इकाई ने ग्राम सभा बालापार में प्रथम एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया, जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को पर्यावरण स्वच्छता, फाइलेरिया, 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' जागरूकता कार्यक्रम (नुक्कड़ नाटक), व्यक्तिगत स्वच्छता, मलेरिया, शराब पीने का दुष्प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

इसके साथ स्वयंसेवकों को गांव की भौतिकीय परिदृश्य का आकलन, गांव के समस्या की पहचानकर उसके निराकरण में सहयोग प्रदान करने के साथ ही समाज के साथ समन्वय स्थापित करने की कला को सिखाया गया।

शिविर के उद्घाटन में मुख्य अतिथि ग्राम सभा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री रामेश्वर सहानी जी के द्वारा किया गया। एवं उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के इस स्वयंसेवकों का सहयोग लेकर गाँव का शत–प्रतिशत विकास करने में हमें सहायता प्राप्त होगी स्वयंसेवक प्रशिक्षित है उनको अपने विषय की जानकारी है इससे प्रतीत हो रहा है विश्वविद्यालय एक सकारात्मक प्रगति की तरफ अग्रसर है उन्होंने स्वयंसेवकों को गांव के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम अधिकारी गरीमा पांडेय द्वारा शिविर का संयोजन किया गया जिसमे सवर्प्रथम स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य परिकल्पना से अवगत करते हुए बताया कि एनएसएस का आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू', लोकतांत्रिक जीवन के सार को दर्शाता है और निःस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को पुष्ट करता है। स्वयसेवक का मतलब यह नहीं की केवल अपने लिए ही न जिए समाज के लिए जिए इस शिविर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए समस्त इकाई के स्वयंसेवक को 20 की संख्या में 5 टोली में बाटकर एक जागरूकता कार्यक्रम का विषय एक टोली को दिया गया था प्रत्येक टोली के एक नेता चुना गया जो क्रमशः शिविर का निरीक्षण समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश कुमार दुबे द्वारा किया एवं उन्होंने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन किया। गांव के लोगों में शिविर के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।

अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को साइबर सुरक्षा पर जागरूक करते हुए लोगों साइबर अपराध से बचने व स्वच्छता के प्रति जागरूक कर उससे बचने का उपाय बताया साथ ही गांव की अनेकों समस्याओं को जाना और उसके निवारण हेतु प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

ग्राम बालापार में स्वच्छता, फाइलेरिया, 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ' विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक करते माता मैत्रेयी इकाई के स्वयंसेवक

विश्व ओजोन दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना : माता शबरी इकाई

विश्व ओजोन दिवस पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह

दिनांक : 16 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनएसएस इकाई 'माता शबरी इकाई' द्वारा विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह थे, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी विभाग की शिक्षिका मिस जुही तिवारी द्वारा हुई, जिन्होंने ओजोन परत के महत्व और इसके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने पर प्रकाश डाला। इसके बाद फार्मेसी की छात्रा पल्लवी गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए।

फार्मेसी द्वितीय वर्ष के छात्र आशीष दुबे ने भी पर्यावरण संरक्षण और ओजोन परत के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, 'ओजोन परत' हमारे वातावरण का सुरक्षा कवच है, जो हमें सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाता है। इसका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और इसके प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में स्वयंसेवक मंजीत यादव, दीनदयाल गुप्ता, विवेक मिश्रा, निखिल प्रकाश पांडे, हिमांशु राव और अन्य छात्र एवं छात्राएं उत्साहपूर्वक शामिल थे। सभी ने मिलकर ओजोन परत के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और इसे जीवन में लागू करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. अभिषेक कुमार सिंह के प्रेरणादायक शब्दों के साथ हुआ, जिन्होंने युवाओं से अपील किया कि वे पर्यावरण के संरक्षण के प्रति गंभीरता से सोचें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। विश्वविद्यालय में इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों को सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं, बल्कि उनके नेतृत्व कौशल और सामूहिक प्रयासों को भी प्रोत्साहित करते हैं।

विश्व ओजोन दिवस : रैली आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना : माता शबरी इकाई

माता शबरी इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर रैली निकालकर किया गया जागरूक

दिनांक : 16 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों द्वारा 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य लोगों को ओजोन परत के महत्व और जीवन रक्षा में इसकी भूमिका के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण श्री गौरिश नारायण सिंह, श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार और श्री दिलीप मिश्रा ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक NSS कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह थे, जिन्होंने इस पहल का नेतृत्व किया और ओजोन परत के संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित किया।

रैली में स्वयंसेवकों ने पोस्टर व नारों के माध्यम से ओजोन परत के संरक्षण व पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूकता फैलाई, जिससे स्थानीय लोगों ने भी मुहिम में अपनी रुचि दिखाई।

स्वच्छता ही सेवा मेगा इवेंट के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़े के दौरान पौधरोपण करते हुए डॉ. ए.के. सिंह व डॉ. अवधेश अग्रवाल जी

दिनांक : 20 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट इकाई द्वारा प्रातः 'स्वच्छता ही सेवा मेगा इवेंट उत्तर प्रदेश' के अन्तर्गत "स्वच्छता पखवाड़ा"का उद्घाटन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ए. के. सिंह एवं ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपर चिकित्साधिकारी गुरु गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखपुर के डॉ. अवधेश अग्रवाल, गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस चिकित्सालय के निदेशक डॉ. राजेश बहल जी के द्वारा नीम का पौधा लगाकर प्रारम्भ किया गया।

इस अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकांत आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., डॉ. विकास, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ, अखिलेश कुमार दुबे एवं संकाय समस्त शिक्षक तथा इकाई के समस्त स्वयंसेवक उपस्थित थे।

इस स्वच्छता पखवाड़ा उद्घाटन कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय द्वारा किया गया।

स्वच्छता ही सेवा मेगा इवेंट के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली में स्वयंसेवक

दिनांक : 20 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की पारिजात इकाई द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा मेगा इवेंट उत्तर प्रदेश' के अन्तर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर से शुरू हो कर बालपार बाजार से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गयी।

रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक कलेक्शन, रास्तों की साफ़–सफ़ाई व झाड़ू लगाते हुए आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। my bhart logo से युक्त स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता व् स्वच्छता ही सेवा के बैनर तले स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, गांधी जी के सपनों का भारत हमे बनाना है। पूरा भारत स्वच्छ रहे यही हमारा नारा है, दूसरे देशों की भ्रांति मिटाएँ, आओ सब मिलकर भारत में स्वच्छता की क्रांति लायें, स्वच्छ रहेगा भारत तो समृद्ध रहेगा भारत, अगर रहेगी गंदगी से आज़ादी तो नहीं होगी बीमार भारत की आबादी, आत्मा को मैली ना करो, कूड़ा डस्टबीन में डालो सड़क पर ना करो इत्यादि स्लोगन व नारों से लैस स्वयंसेवकों का उत्साह देखने लायक़ था।जागरूकता रैली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की जानता को अपने घरों, स्कूलों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। रैली को देखकर ग्रामीणों में जहां एक कौतूहल था तो वहीं स्वयंसेवकों के इस पहल की ग्रामीणों ने खूब सराहना की।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा की स्वच्छ भारत अभियान ने लोगों की सजगता और सामाजिक सामर्थ्य को बढ़ावा दिया है और भारत को एक स्वच्छ और हरित भूगोल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा की स्वच्छ भारत अभियान ने दुनिया भर में बड़े पैमाने पर स्वच्छता के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाई है।

कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान पारिजात इकाई के स्वयसेवक उत्कर्ष सिंह, बादल पटेल, प्रियांश मौर्या, विकास , अखिलेश आदि समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के सन्दर्भित शपथ ग्रहण करते स्वयंसेवक

दिनांक : 21 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के सन्दर्भित शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया।

कार्यक्रम में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शपथ ग्रहण कराया गया और प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और स्वंय और समाज को प्लास्टिक का उपयोग करने से रोकना होगा लक्ष्य। स्वयंसेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक उपयोग से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते है। प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार और तंत्रिका संबंधी विकारण् प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डॉ.डी.एस. अजिथा पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव समस्त संकाय के शिक्षक एवं ईकाई स्वयंसेवक अमित गुप्ता, नवीन राय, आदित्य राज मोहम्मद मिराज अहमद इत्यादि उपस्थिति रहें।

नर्सिंग संकाय की गार्गी ईकाई द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में श्रमदान करती स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 22 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की गार्गी ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंर्तगत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से माँ पाटेश्वरी सेवा आश्रम स्वच्छता अभियान चलाया।

जिसमें विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम अपने छात्रावास के मेस, बेसमेंट लॉबी के जाले, खिड़की इत्यादि की साफ–सफाई करने के साथ सम्पूर्ण छात्रावास के बाहरी परिसर के फुलवारी और क्यारियों के पौधों इत्यादि की सफ़ाई एवं उसे व्यवस्थित किया, उसके उपरांत सभी स्वयंसेवक एवं छात्रावासी छात्राओं ने एक साथ मिलकर छात्रावास से निकलकर विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गाँव तक एक रैली का आयोजन कर सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छता अभियान चलाकर प्लास्टिक इकट्ठा एवं गंदगी युक्त स्थान की साफ–सफ़ाई की।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

स्वच्छता से मन और आत्मा की शांति मिलती है और यह एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं प्लास्टिक मुक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर तथा परिसर के आपपास के क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सोनबरसा ग्राम तक प्लास्टिक इकट्ठा किया गया और लोगों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान और पर्यावरण स्वच्छता के बारे में शिक्षित किया, सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयंसेविका अत्यंत उत्साहित दिखे।

इस अवसर पर छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती प्रज्ञा पांडेय जी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त हुआ।

समस्त कार्यक्रम के दौरान तल अभिरक्षिका सुश्री स्मृति सिंह, सुश्री प्रिया सिंह, सुश्री साक्षी, श्रीमती सुमिता त्रिपाठी के साथ ईकाई के स्वयंसेविका सुश्री रेहाना, सुश्री निहारिका, सुश्री अंशू, सुश्री खुशबू, सुश्री अनुपम सुश्री, सुश्री रंजना, सुश्री ऋतु भारती, सुश्री कल्पना, सुश्री सुकन्या एवं समस्त छात्रावासी छात्राओं ने पूरे मनोयोग के साथ सहयोग प्रदान किया।

प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा में राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई द्वारा स्वच्छता के लिए शपथ ग्रहण कराया गया

दिनांक : 24 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित आर्यभट्ट इकाई के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा में कराया गया स्वच्छता के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम। जिसमें इकाई के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है। जो समाज में सेवा, स्वच्छता, जागरूकता के माध्यम से समाज को सामुदायिक सेवा के लिए जागरूक करने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से वर्षों से स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भूमिका स्वयंसेवक द्वारा निभायी जाती है। स्वयंसेवक अपने-अपने क्षेत्रों न केवल सफाई करते है, बल्कि लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। युवाओं को जागरूक करके और उन्हें प्रेरित करके हम एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्राचार्या श्रीमती कमेश कुमारी ने विद्यार्थियों को सेवा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है सामुदायिक स्वच्छता, पर्यावरण की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई को भी संदर्भित करता है।

शपथ ग्रहण में प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्राचार्या श्रीमती कमेश कुमारी, तनु पाण्डेय, रितिका यादव, ज्योति पाल, आशा राय समस्त शिक्षक के साथ आर्यभट्ट इकाई के स्वयं सेवक राहुल दुबे, नितिन यादव, प्रभात कुमार गौतम, संजीवनी, नम्रता शर्मा, निखिल पटेल, ठाकुर विभूराज, नंदनी सिंह, तसलीमा, मांशी साहनी, शैलेंद्र कुमार, सुहानी गुप्ता, अभिषेक पासवान सहित सभी स्वयं सेवकों के अतिरिक्त विद्यालय के समस्त छात्र-छात्रा उपस्थित रहें।

नर्सिंग संकाय में संचालित माता अनुसुइया इकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंर्तगत स्वैच्छिक श्रमदान करती स्वयंसेविकाएं

दिनांक : 24 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की माता अनुसुइया इकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के अंर्तगत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम अपने नर्सिंग कॉलेज के बेसमेंट, परिसर, खिड़की इत्यादि साफ–सफाई करने के साथ सम्पूर्ण बाहरी परिसर के फुलवारी और क्यारियों और गमले के पौधों इत्यादि की सफ़ाई एवं उसे व्यवस्थित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने विद्यार्थियों को बताया कि सरकार और कई गैर सरकारी संगठन स्वच्छता अभियानों का आयोजन कर रहे हैं। हमें इन अभियानों में भाग लेना चाहिए और अपने योगदान से समाज को जागरूक करना चाहिए। स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक जीवनशैली होनी चाहिए। आइए, हम सब मिलकर अपने आसपास को साफ रखें और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करें। इस दौरान स्वयंसेविका ए.एन.एम. प्रथम वर्ष की छात्राओं अर्चना, अंबिका, शिखा, अदिति पाण्डेय के साथ समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना : अष्टावक्र इकाई

दिनांक : 25 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् आयुर्वेद कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अष्टावक्र द्वारा चयनित ग्राम सोनबरसा में एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय के मार्गदर्शन में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बीएएमएस के सौ बच्चों को बीस–बीस की संख्या में पांच समूह बनाकर विभिन्न कार्यक्रम कराए गए।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजनः निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ग्राम वासियों ने अपना स्वास्थ्य परिक्षण कराया और आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सकों से स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श प्राप्त किए, जिसमें डॉ. किरण रेड्डी के नेतृत्व में डॉ. पूनम यादव, डॉ. विष्णु, डॉ. अखिलेश, बीएएमएस के विद्यार्थियों ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

बीएएमएस विद्यार्थियों ने स्वच्छता जागरुकता रैली का किया आयोजनः स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत स्वच्छता जागरुकता रैली का आयोजन कर एनएसएस के स्वयंसेवकों ने ग्राम पंचायत परिसर को स्वच्छ कर दिया स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का संदेश दिया।

पोस्टर प्रदर्शनी के द्वारा साइबर सुरक्षाए महिला सशक्तिकरण का दिया गया संदेश : महिला सशक्तिकरण अभियान और पर्यावरण सुरक्षा के अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने ग्राम पंचायत भवन पर पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें बीएएमएस विद्यार्थियों ने शिक्षित नारी सब पर भारी, नारी का सम्मान देश का अभिमान आदि स्लोगन के साथ ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया।

सोनबरसा ग्राम प्रधान ने सभी विद्यार्थियों और चिकित्सकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय नित नए अभियान चलाकर ग्रामवासियों को स्वास्थ्य, पर्यावरण और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर कर रहे जागरुक।

शिविर में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सकों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना बीएएमएस अष्टावक्र इकाई के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

आयुर्वेद कॉलेज में संचालित अष्टावक्र इकाई के द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं स्वच्छता पखवाड़े के अंर्तगत स्वैच्छिक श्रमदान करते स्वयंसेवक

राष्ट्रीय कैडेट कोर

प्री- स्क्रीनिंग

आई.जी.सी. प्री–स्क्रीनिंग में कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी के समक्ष कैडेट प्रीति शर्मा

दिनांक : 04 सितम्बर, 2024 को 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर हेड क्वार्टर द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रांगण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 17 कैडेट्स प्री– स्क्रीनिंग में सम्मिलित हुए। सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर मोती लाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमित कुमार चौधरी, अनुभव, प्रियेश राम त्रिपाठी, अभिषेक चौरसिया, हरस्व कुमार साहनी, श्रद्धा उपाध्याय, प्रीति शर्मा, शालनी चौहान, दरख्शा बानो, आंचल पाठक, संजना शर्मा, आइ. जी. सी (रिपब्लिक डे) शिविर के प्री–स्क्रीनिंग चयन प्रक्रिया में सम्मिलित हुए। प्री–स्क्रीनिंग कमेटी में 102 यू.पी. बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा, जेसीओ सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण सिंह के दिशा–निर्देश पर प्री– स्क्रीनिंग में कैडेट्स ने प्रस्तुति दिया। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की। आई.जी.सी. शिविर 'रिपब्लिक डे कैंप' के प्रथम चरण का प्रमुख हिस्सा है। जहां इंटर ग्रुप शिविर के द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं से चयनित होकर कैडेट राजपथ पर विश्वविद्यालय और देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की बटालियन द्वारा 37 कॉलेज के मध्य हुई कड़े चयन में 356 कैडेट्स के बीच ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य प्रतियोगिताओं से चयन प्रक्रिया किया गया।

शिक्षक दिवस

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी को पौधा भेट करते डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांक : 05 सितम्बर, 2024 को शिक्षक दिवस पर 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के मुख्यालय मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नव नामांकन कैडेट्स के दस्तावेज जांच में एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी को गुलाब के पौधे भेट कर सम्मानित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नए कैडेट्स के दस्तावेज जांच में उपस्थित डॉ. संदीप ने शिक्षक दिवस पर 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा सर को आत्मीय भेंट में गुलाब के पौधे भेट कर शिक्षक समर्पण भाव अर्पण किया। आत्मीय भेंट में एनसीसी की गतिविधियों को सशक्त बनाने और कैडेट्स में कलात्मक सृजन को संकल्पित करने के विषय पर गहन वार्ता हुआ।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के सीखने की प्रवृत्ति, लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि महायोगी के कैडेट्स कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन से सैन्य प्रशिक्षण ग्रहण कर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दे रहे हैं।

दृढ़ संकल्प और ईमानदारी से कैडेट्स अभ्यास करते रहेंगे तो निश्चय ही यहां के कैडेट्स राष्ट्रीय शिविरों में विश्वविद्यालय का प्रतिन्धित्व करेंगे।

इंटर ग्रुप डिबेट कॉम्पिटेशन

दिनांक : 07 सितम्बर, 2024 को राष्ट्रीय कैडेट कोर इंटर ग्रुप डिबेट कॉम्पिटेशन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कैडेट श्रद्धा उपाध्याय ने किया विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व किया।

गोरखपुर के सेंट एंड्रयूज कॉलेज के सभागार में आयोजित इंटर ग्रुप डिबेट कॉम्पिटेशन में प्री स्क्रीनिंग और क्वार्टर फाइनल राउंड से चयनित कैडेट्स का चयन किया गया। जिसमें जूनियर कैडेट्स को हिंदी में और सिनियर कैडेट्स को इंग्लिश में अपने विषय को निर्धारित समय सीमा में अभिव्यक्त करना था। प्रतियोगिता के लिए यस. डब्लू. और जे. डब्लू. दोनो के लिए दो–.दो विषय दिया गया।

पहला विषय सोशल मीडिया जागरूकता बढाने का एक उपकरण है, जबकि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग व्यक्तिगत्त विकास के लिए हानिकारक है। दूसरा विषय एन.सी.सी. प्रशिक्षण युवाओं के व्यक्तित्व विकास में बहुत योगदान देता है पर जूनियर कैडेट्स ने पक्ष विपक्ष में अपने प्रतिद्वंदियों से संघर्ष किया।

एस.डी.,एस.डब्ल्यू. को भाषण प्रतियोगिता के लिए अंग्रेजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अगर अनियंत्रित रही तो यह मानव

राष्ट्रीय कैडेट कोर

डिबेट कंपटीशन में प्रतिभा करती कैडेट श्रद्धा उपाध्याय

जाति के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकती है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, जिसका दुरुपयोग दंडनीय अपराध होना चाहिए विषय पर कैडेट श्रद्धा उपाध्याय ने अपने विषय भाव को अभिव्यक्त किया।

साक्षात्कार की प्रक्रिया

साक्षात्कार की प्रक्रिया

दिनांक : 17 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर की यूनिट्स में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को बटालियन के अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण कर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (ए.एन.ओ.) के रूप में चयनित हुए।

साक्षात्कार में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी, 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट अभिषेक मानसिंह, कर्नल वी.के. शर्मा के नेतृत्व में चयन प्रकिया पूर्ण किया गया।

साक्षात्कार में एनसीसी. आर्मी सैन्य और रक्षा अध्ययन से संबंधित प्रश्नों के साथ नेतृत्व शैली, आपदा प्रबंधन, ड्रिल अभ्यास, व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों पर केंद्रित प्रश्नों का जवाब डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को राष्ट्रीय कैडेट

राष्ट्रीय कैडेट कोर

कोर के ए.एन.ओ. अधिकारी के रूप में चयनित होने पर बधाई और शुभकामनाएं दिया। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा कि गर्व का विषय है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने ए.एन.ओ. ने साक्षात्कार के सभी मानकों को पूरा किया है।

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने डॉ. संदीप श्रीवास्तव को बधाई देते हुए कहा की राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया है। डॉ. संदीप के नेतृत्व में कैडेट्स निरंतर नवाचारों और अभ्यास से सैन्य सेवा के लिए तैयार हो रहे है। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वी.के. शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दिया।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में कैडेट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स पूर्ण अनुशासन और कड़े अभ्यास से स्वयं को स्थापित कर रहे है।

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी के प्रति आभार व्यक्त किया। आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, फार्मेशी प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकगण ने बधाई और शुभकामनाएं दिया।

विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

राष्ट्रीय कैडेट कोर

कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा के जानकारी देते डॉ. राजेश बहल जी एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. रोहित श्रीवास्तव

दिनांक : 14 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस पर 102 यू. पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर ने महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय में मरीजों की सेवा करके सेवा अर्पण किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के निदेशक डॉ. राजेश बहल के मार्गदर्शन में कैडेट्स ने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को प्राथमिक चिकित्सा के प्रति जागरूक किया। कर्नल डॉ. राजेश बहल ने कैडेट्स को सेवा अर्पण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मानव सेवा ही ईश्वरीय सेवा है।

त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्राथमिक चिकित्सा ही मरीज की संजीवनी है। किसी भी दुर्घटना में घबराए नहीं बल्कि धैर्य के साथ देखो, सोचो और कार्य करो के मूल सिद्धांत पर त्वरित सहायता करें। डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में 'प्राथमिक उपचार के लक्ष्य (अवधारणा) पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्राथमिक उपचार के चरणों को बताया।

प्राथमिक चिकित्सा में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की क्षमता को विकसित करने के लिए कैडेटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें घावों, फ्रैक्चर, जलन, स्ट्रोक, दिल का दौरा और सांस संबंधी समस्याओं का उपचार शामिल है।

व्याख्यान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सह आचार्य डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव ने प्राथमिक उपचार के समय प्रयोग की जाने वाली सावधानियां एवं प्राथमिक उपचार के तरीकों से अवगत करवाया। व्याख्यान विषय 'देखो, सोचो और कार्य करो में प्राथमिक चिकित्सा हमें आपातकालीन स्थिति में सही निर्णय लेने और त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक दबाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण और मानसिक सहनशीलता के विकास पर ध्यान देना चाहिए। मनोवैज्ञानिक सलाह और तनाव प्रबंधन के उपाय भी लागू किए जा सकते हैं। पीड़ित की स्थिति को देखना और उसकी गंभीरता का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीसी कैडेटों के लिए प्राथमिक चिकित्सा न केवल एक कौशल है, बल्कि यह उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करता है, और समाज में एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका को मजबूत करता है। हालांकि प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित कई चुनौतियाँ हैं, उन्हें समाधान और सुधार के माध्यम से प्रबंधित किया जा सकता है। सही प्रशिक्षण, उपकरण और मानसिक तैयारी के साथ, एनसीसी कैडेट आपातकालीन स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और समाज की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित कर सकते हैं।

शिक्षक श्री अनुप कुमार मिश्राए कुं अभिनव सिंह राठौड़, सुप्रिया गुप्ता, जयशंकर पांडे, संजीव विश्वकर्मा, अंकिता दीक्षित, अकांक्षा दीक्षित, कुलदीप यादव, विशालदीप, धीरज कुमार, डॉ. अर्पित मिश्रा, श्री धनंजय पांडेय के अलावा राष्ट्रीय कैडेट कोर के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, मोतीलाल, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, प्रियेश राम त्रिपाठी, अनुभव, अमित चौधरी, सागर यादव, आशुतोष मणि त्रिपाठी, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अंशिका सिंह, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, आंचल पाठक, श्रद्धा उपाध्याय, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, चांदनी निषाद, खुशी यादव, निलेश यादव आदि उपस्थित रहें।

'रिपब्लिक डे कैंप' के प्रथम चरण इंटर ग्रुप शिविर हेतु चयनित कैडेट्स के साथ कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वी.के. शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्त

दिनांक : 17 सितम्बर, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यू.पी. बटालियन गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर के चार कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी 'रिपब्लिक डे कैंप' के प्रथम चरण इंटर ग्रुप शिविर में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कैडेट्स के चयन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वी.के. शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दिया। कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। रिपब्लिक डे कैंप के प्रथम चरण में बटालियन स्तर पर चार कैडेट्स का चयन सभी के लिए प्रेरणा दायक है।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में कैडेट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। इंटर ग्रुप कंपटीशन में चयनित सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी अपने परिश्रम से विश्वविद्यालय और बटालियन का नाम रोशन करेंगे।

सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी है जो 30 सितंबर से 9 अक्टूबर 2024 तक 48 बटालियन द्वारा गोंडा में आयोजित आई.जी.सी. (आरडीसी) शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की बटालियन द्वारा 37 कॉलेज के मध्य हुई कड़े चयन में 356 कैडेट्स के बीच ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य प्रतियोगिताओं से मात्र 15 कैडेट्स का चयन लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने चयन किया। जिसमें सीनियर डिविजन से 11 कैडेट्स और 4 जूनियर कैडेट्स का चयन हुआ। सीनियर विंग्स में 11 में से 4 कैडेट्स महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से चयनित हुए।

कैडेट्स के चयन पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम.एस. मंजूनाथ, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, फार्मेशी प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकगण ने कैडेट्स को बधाई और शुभकामनाएं दिया।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए चार एनसीसी कैडेट का चयन

गणतंत्र दिवस परेड के प्रथम चरण के लिए चयनित एनसीसी कैडेट के साथ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी व एनसीसी अधिकारी • सौ. मगोवि

गोरखनाथ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन गणतंत्र दिवस परेड के प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। चयनित कैडेट 30 सितंबर से नौ अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि के चार कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

एनसीसी कैडेट सागर, खुशी, कृष्णा और आशुतोष करेंगे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप, प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप ने बताया कि बटालियन द्वारा 37 कॉलेज के मध्य हुए कड़े चयन में 356 कैडेट्स के बीच ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य प्रतियोगिताओं से मात्र 15 कैडेट्स का चयन किया गया है, इनमें से चार कैडेट्स महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के हैं।

चार कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप प्रथम चरण के लिए हुआ है।

इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा एवं एनसीसी अधिकारी डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि ने बधाई दी। कुलपति डा. वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। कैंप के लिए चयनित चारों एनसीसी कैडेट संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के छात्र हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित कैंप में प्रतिभाग करेंगे। एनसीसी अधिकारी डा. श्रीवास्तव ने बताया कि बटालियन द्वारा 37 कालेज के मध्य हुए कड़े चयन में 356 कैडेट्स के बीच ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य प्रतियोगिताओं से मात्र 15 कैडेट्स का चयन किया गया है, इनमें से चार कैडेट्स महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के हैं।

महायोगी गोरखनाथ विवि में कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजपेयी के साथ रिपब्लिक डे कैंप के चयनित।

महायोगी गोरखनाथ विवि

महायोगी गोरखनाथ विवि के चार कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

एनसीसी कैडेट्स के साथ महायोगी गोरखनाथ विवि के वीसी मेजर जनरल अतुल वाजपेयी। संवाद

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप प्रथम चरण के लिए हुआ है। कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने बताया कि सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से नौ अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे। संवाद

महायोगी गोरखनाथ विवि के चार कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप, प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं।

सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि के चार कैडेट्स रिपब्लिक डे कैंप में चयनित

एनसीसी कैडेट सागर, खुशी, कृष्णा और आशुतोष करेंगे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधत्व

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन के चार एनसीसी कैडेट्स सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी और आशुतोष मणि त्रिपाठी का चयन रिपब्लिक डे कैंप, प्रथम चरण के लिए हुआ है। इन कैडेट्स के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह, कर्नल वीके शर्मा, एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स अनुशासन की आंच में तप कर कड़े अभ्यास से सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार हो रहे हैं। सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल और सार्जेंट खुशी गुप्ता कृषि संकाय के और कैडेट्स आशुतोष मणि त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। ये चारो कैडेट्स 30 सितंबर से 9 अक्टूबर तक 48 बटालियन एनसीसी द्वारा गोंडा में आयोजित शिविर में प्रतिभाग करेंगे। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप ने बताया कि बटालियन द्वारा 37 कॉलेज के मध्य हुए कड़े चयन में 356 कैडेट्स के बीच ड्रिल, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अन्य प्रतियोगिताओं से मात्र 15 कैडेट्स का चयन किया गया है, इनमें से चार कैडेट्स महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के हैं।

ब्रह्मलीन महंतद्वय ने जगाई शिक्षा में नई क्रांति की अलख

गोरखपुर (एसएनबी)। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विवि के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई।

प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डा.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं अवेद्यनाथ ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डा. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. अनुपमा ओझा,डा.विकास कुमार, डा. अमित दुबे, डा. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डा. पवन कुमार कनौजिया, डा. प्रेरणा त्रिपाठी, डा.किरण कुमार,डा.आशुतोष श्रीवास्तव, डा. अवेद्यनाथ सिंह, डा.अंकिता मिश्रा, डा. कीर्ति कुमार यादव, डा.अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा

शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई ब्रह्मलीन महंतद्वय ने : प्रो. एके सिंह

युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

गोरखपुर। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई। प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी एवं अवेद्यनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ विकास कुमार, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट इकाई की तरफ से शुक्रवार से स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने पौधरोपण कर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ही रासेयो की पारिजात इकाई द्वारा पारिजात इकाई द्वारा ह्यस्वच्छता ही सेवा – मेगा इवेंट उत्तर प्रदेशह्न के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में किया गया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर बालापार मार्केट से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकास, रासेयो के समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

महायोगी गोरखनाथ विवि में पौधरोपण और जागरूकता रैली से हुआ स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट इकाई की तरफ से शुक्रवार से स्वच्छता पखवाड़ा की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल और गुरु श्रीगोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. राजेश बहल ने पौधरोपण कर स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ही रासेयो की पारिजात इकाई द्वारा पारिजात इकाई द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा – मेगा इवेंट उत्तर प्रदेश' के तहत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक के नेतृत्व में किया गया। यह रैली विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर बालापार मार्केट से होते हुए इंद्रासन इंटर कॉलेज तक निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. विकास, रासेयो के समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा में नई क्रांति की जगाई अलख

जासं, गोरखपुर : ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की ओर से पंचकर्म केंद्र सभागार में शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई।

प्रो.सिंह ने कहा कि हिमालय सा व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले महंत दिग्विजयनाथ और सामाजिक समरसता के अग्रदूत व श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले महंत

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

अवेद्यनाथ के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल डा.राजेश बहल ने कहा कि महंतद्वय ने राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। डा.अवेधश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई, उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर प्रो.सुनील कुमार सिंह, डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव, डा. अनुपमा ओझा, डा.विकास कुमार, डा.अमित दुबे, डा.धीरेंद्र सिंह, श्रीकांत, डा.पवन कुमार कनौजिया, डा.प्रेरणा त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह व अन्य मंचासीन अतिथि • सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई ब्रह्मलीन महंतद्वय ने :प्रो. एके सिंह

युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

गोरखपुर। युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचारपंथ से शिक्षा में नई क्रांति की अलख जगाई। प्रो. एके सिंह ने कहा कि हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति

आंदोलन को शक्ति और गति देने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंसेज के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी एवं अवेद्यनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए गोरखनाथ अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय ने शिक्षा की जो ज्योति जलाई उससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ विकास कुमार, डॉ अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्रीकांत, डॉ.पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, धनंजय पांडेय, अनिल कुमार, प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, जन्मेजय सोनी, मिताली, अनिल मिश्रा, अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ श्रद्धांजलि समारोह

महंतद्वय ने शिक्षा में क्रांति की रखी नींव

बोले प्रो. सिंह

गोरखपुर, निज संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र सभागार में शुक्रवार को ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ की 55वीं और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके सिंह, ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवधेश अग्रवाल, निदेशक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कर्नल (डॉ.) राजेश बहल और अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय सुनील कुमार सिंह ने राष्ट्रसंतों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान कुलपति प्रो. सिंह ने दोनों संतों के त्यागमय जीवन और उनके हिंदुत्व तथा राष्ट्रवाद के प्रति योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेधनाथ ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाकर विद्यार्थियों को एक नई दिशा दी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अंतर्गत 52 संस्थान उनके संकल्प और त्याग का प्रमाण हैं।

डॉ. अवधेश अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महंत दिग्विजय नाथ और महंत अवेधनाथ ने गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में कई विद्यालयों की स्थापना की, जिससे पूर्वांचल में शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित हुई। कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने स्वागत उद्बोधन दिया। संचालन सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील कुमार सिंह ने दिया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। • हिन्दुस्तान

पुण्यतिथि पर आयोजित हुई संगोष्ठी

गोरखपुर। एमपी पॉलिटेक्निक में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और राष्ट्र संत महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 'योग और स्वस्थ मानव जीवन' विषय पर संगोष्ठी हुई, जिसमें अतिथियों ने महंत द्वय की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रवक्ता बी.एन. वर्मा ने गोरक्षपीठ की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने योग के आध्यात्मिक महत्व को बताया।

शिक्षा, धर्म और संस्कृति में पीठ की रही महती भूमिका

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीवीएन पीजी में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि रणविजय सिंह ने गोरक्षपीठ की शिक्षा, धर्म और संस्कृति में भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने दिग्विजयनाथ को हिन्दू धर्म के सजग प्रहरी बताया और उनकी स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका को सराहा। महंत अवेद्यनाथ ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय त्रिपाठी ने किया, जबकि प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार ज्ञापन किया।

महंतद्वय ने लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया : एपीएन महाविद्यालय बस्ती के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. पृथ्वीराज सिंह ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की पुण्य स्मृतियों को याद किया। उन्होंने कहा कि महंतद्वय ने धर्म, समाज और राष्ट्र के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के प्रकल्पों के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

ब्रह्मलीन महंत के विचारों से लें प्रेरणा

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौकमाफी और गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि महंत लालनाथ योगी और विशिष्ट अतिथि प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने महंतद्वय के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

समाज के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहे दोनों महंत

गोरखपुर। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर सभागार में महंत दिग्विजय नाथ की 55वीं और महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि-सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महंतद्वय के चित्र पर पुष्पार्पण से हुई।

इस अवसर पर अयोध्या से पधारे जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का दिव्य व्यक्तित्व समाज के लिए एक पथप्रदर्शक रहा। उन्होंने हिन्दू समाज की उन्नति के लिए आजीवन सार्थक प्रयास किए। उनका बहु-आयामी व्यक्तित्व और कृतित्व समाज को दिशा प्रदान करते हैं।

मुख्य वक्तव्य में दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का जीवन समाज और देश के लिए समर्पित रहा। उप प्रधानाचार्य जनार्दन गौड़ ने आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में कराया गया प्लास्टिक मुक्ति अभियान पर शपथ ग्रहण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई

के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के सन्दर्भित शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया कार्यक्रम में प्लास्टिक मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शपथ ग्रहण कराया गया और प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और स्वंय और समाज को प्लास्टिक का उपयोग करने से रोकना होगा लक्ष्य। स्वयसेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक उपयोग से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है. जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं. प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते हैं वहीं कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार, और तंत्रिका संबंधी विकार. प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है. इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डॉ. डी.एस अजिथा पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव समस्त संकाय के शिक्षक एवं ईकाई स्वयसेवक अमित गुप्ता,नवीन राय, आदित्य राज मोहम्मद मिराज अहमद इत्यादि उपस्थिति रहे।

शहर को प्लास्टिक मुक्त करने की ली शपथ

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ लेते महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक ● जागरण

जासं, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी इकाई की ओर से आयोजित स्वच्छता पखवारे के तहत शनिवार को विद्यार्थियों ने शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ ली।

स्वयं सेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं। प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पांडेय ने कहा कि प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार और तंत्रिका संबंधी विकार। प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डा.डी.एस अजिथा, पैरामेडिकल प्राचार्य डा.रोहित श्रीवास्तव समेत संकाय के सभी शिक्षक एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे।

कराया गया प्लास्टिक मुक्ति अभियान पर शपथ ग्रहण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की मैत्रेयी ईकाई के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े में प्लास्टिक मुक्ति के सन्दर्भित शपथ ग्रहण कार्यक्रम कराया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्याल में प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत शपथ लेते छात्र छात्राएं। फोटो : एसएनबी

इस दौरान समस्त संकाय के छात्रों एवं शिक्षकों को शपथ ग्रहण कराया गया। वे प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे और स्वंय और समाज को प्लास्टिक का उपयोग करने से रोकना लक्ष्य होगा। स्वयसेवक अभिषेक यादव ने प्लास्टिक उपयोग से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि प्लास्टिक के कचरे से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। जानवर प्लास्टिक के कचरे में उलझ जाते हैं प्लास्टिक के टूटने से हानिकारक रसायन निकलते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित करते । वहीं कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पाण्डेय ने कहा कि प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है प्लास्टिक के संपर्क में आने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं, जैसे कि कैंसर, मधुमेह, प्रजनन संबंधी विकार और तंत्रिका संबंधी विकार। प्लास्टिक के संपर्क में आने से जन्म संबंधी जटिलताओं और बचपन से कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डा. डीएस अजिथा पैरामेडिकल प्राचार्य डा. रोहित श्रीवास्तव समस्त संकाय के शिक्षक एवं ईकाई स्वयसेवक अमित गुप्ता,नवीन राय, आदित्य राज, मो. मिराज अहमद आदि मौजूद रहे।

मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम में चलाया गया स्वैच्छिक श्रमदान

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की नर्सिंग संकाय की गार्गी ईकाई द्वारा माँ पाटेश्वरी सेवा आश्रम स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम अपने छात्रावास के मेस, बेसमेंट लॉबी के जाले, खिड़की इत्यादि साफ-सफाई करने के साथ सम्पूर्ण छात्रावास के बाहरी परिसर के फुलवारी और क्यारियों के पौधों इत्यादि की सफ़ाई एवं उसे व्यवस्थित किया। सभी स्वयंसेवक एवं छात्रावासी छात्राओं ने एक साथ मिलकर छात्रावास से निकलकर विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गाँव तक एक रैली का आयोजन कर सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। प्लास्टिक इकट्ठा एवं गंदगी युक्त स्थान की साफ सफ़ाई की इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है। स्वच्छता से मन और आत्मा की शांति मिलती है, और यह एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयसेविका अत्यंत उत्साहित दिखे। इस अवसर पर सुश्री स्मृति सिंह ,सुश्री प्रिया सिंह,सुश्री साक्षी श्रीमती सुमिता त्रिपाठी,के साथ ईकाई के स्वयंसेविका रेहाना,सुश्री निहारिका, अंशू, खुशबू,अनुपम , रंजना सुश्री ऋतु भारती सुश्री कल्पना सुश्री सुकन्या एवं समस्त छात्रावासी छात्राओं ने पूरे मनोयोग के साथ सहयोग प्रदान किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य

विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता, के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। मंगलवार को ही विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने कहा कि हम सबको स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

महायोगी गोरक्षनाथ विवि के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता, के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है।

मंगलवार को ही विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई की।

कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने कहा कि हम सबको स्वच्छता को जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

महायोगी गोरखनाथ विवि से संबद्ध राष्ट्रीय सेवा योजना की आर्यभट्ट इकाई ने सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में सफाई कार्य किया। स्रोत-संस्था

प्राथमिक स्कूल में स्वयंसेवकों ने की सफाई

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में सफाई कार्य किया। लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। मंगलवार को ही विवि के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव की अगुवाई में स्वैच्छिक श्रमदान से परिसर की साफ सफाई की। संवाद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राओं ने किया श्रमदान।

विवि की छात्राओं ने किया श्रमदान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नर्सिंग संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की गार्गी इकाई के द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। छात्राओं ने विश्वविद्यालय में मुख्यद्वार से होते हुए सोनबरसा गांव तक एक रैली भी निकाली। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी कविता साहनी, छात्रावास की अधीक्षिका प्रज्ञा पांडेय, स्मृति सिंह , प्रिया सिंह आदि मौजूद रहीं।

छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित एनएसएस की आर्यभट्ट इकाई ने स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने कहा कि स्वच्छता अभियान एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रा.वि. सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने कहा कि स्वच्छता पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है। उधर, विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई की।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की आर्यभट्ट इकाई ने रासेयो के स्थापना दिवस पर मंगलवार को सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

■ सोनबरसा गांव के प्राथमिक विद्यालय में चला स्वच्छता अभियान

इस अवसर पर रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत के युवाओं का सबसे बड़ा संगठन है जो समाज में सेवा, स्वच्छता, के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का आयोजन केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा की प्रधानाध्यापिका कमेश कुमारी ने रासेयो के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास का एक अभिन्न हिस्सा है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्याल के स्वच्छता अभियान में उपस्थित छात्राएं।

मंगलवार को ही विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में संचालित रासेयो की माता अनुसुइया इकाई ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत स्वैच्छिक श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ- सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव ने कहा कि हम सबको स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्नर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(iv)सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बड़े सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in